tal No. of Questions : **5**] [Total No. of Printed Pages

C–146

B.Com./B.Sc./BCA/BBA/B.Sc. Home Sc. BFA/B.A. (Hons.) History Part–III Due Ist Year Examination, 2021

GENERAL HINDI

Paper – Compulsory

ne : 1½ Hours] [*Maximum Marks :*

:– सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई–I

(अ) निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (शब्द सीमा **150**) :

(i) भले लोगों के चले हुए रास्ते पर जो हम पूरी तरह न चल सकें तो जितना हो सके उतना ही अमल में लावें। जो एक सीधे रास्ते पर जा रहा है वह कभी नहीं भटकने का दु:ख सहेगा। ऊँची श्रेणी के लोगों में जो कुछ बर्ताव है हम उसी का अनुकरण करते रहें तो कभी संकट में न पड़ें। अंग्रेजी के एक विद्वान का मत है कि वह जो ऊँचे की ओर नहीं ताकता अवश्य नीचे को देखेगा। जो ऊँचे पर चढ़ रहा है चाहे पूरी बुलन्दी तक न पहुँचे तो उस स्थान से कुछ ऊँचाई पर अवश्य ही पहुँचेगा जहाँ से वह चला था। जैसे दिन का उजाला एक छोटे से छेद से भी पैठ अंधियार को दूर हटाता है वैसे ही

हिन्दी धर्म का आधार किसी विशेष सिद्धान्त को मानना या कुछ विशेष विधि-विधानों का पालन करना नहीं है। हिन्दू का हृदय शब्दों और सिद्धान्तों से तृप्ति लाभ नहीं कर सकता। अगर कोई ऐसा लोक है जो हमारी स्थूल दृष्टि के गोचर है, तो हिन्दू उस दुनिया की सैर करना चाहता है, अगर कोई ऐसी सत्ता है जो भौतिक नहीं है, कोई ऐसी सत्ता है जो न्याय-रूप, दया-रूप और सर्वशक्तिमान है, तो हिन्दू उसे अपनी अन्तर्दृष्टि से देखना चाहता है। उसके संशय तभी छिन्न होते हैं जब वह इन्हें देख लेता है।

(ii) इस देश में जो जिसके लिए प्रतिबद्ध है, वही उसे नष्ट कर रहा है। लेखकीय स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध लोग ही लेखक की स्वतंत्रता छीन रहे हैं। सहकारिता के लिए प्रतिबद्ध इस आन्दोलन के लोग ही सहकारिता को नष्ट कर रहे हैं। सहकारिता तो एक स्पिरिट है। सब मिलकर सहकारितापूर्वक खाने लगते हैं और आन्दोलन को नष्ट कर देते हैं। समाजवाद को समाजवादी ही रोके हुए हैं।

अथवा

कला क्या है ? आत्मा का आविर्भाव। प्रत्येक कला अपने आप में एक असमाप्त प्रक्रिया है, क्योंकि हम जानते हैं कि समाप्त होने वाली चीजों से लोग ऊब जाते हैं। प्रत्येक कला में हमारे आत्म में कुछ अपूर्व जोड़ती है। यही उसकी अद्वितीयता है। लोककलाएँ हमारी सामाजिक विरासत का मूर्त रूप होती हैं। जिससे हजारों सालों के अनुभव का भव और समाज का सामूहिक चिन्तन भरा होता है।

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **250** शब्दों में दीजिए :

(i) 'कुटज' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि दु:ख और सुख तो मन के विकल्प हैं।

अथवा

'आखिरी चट्टान' यात्रावृत्त के आधार पर वर्णित समुद्र तट के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।

(ii) 'जामुन का पेड़' पाठ का व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

(अ) निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (शब्द सीमा **150**) :

(i) हम न मरैं मरिहैं संसारा, हँम कूँ मिल्या जिवावनहारा।

अब न मरौं मरनै मन माँना, ते मूए जिनि राँम न जाँना।

साकत मरै संत जन जीवै, भरि-भरि रसाँइन पीवै।

हरि मरिहै तो हमहूँ मरिहैं, हरि न मरै हँम काहे कूँ मरिहैं।

कहै कबीर मन मनहि मिलावा, अगर भये सुख सागर पावा।

अथवा

बीती विभावरी जाग री।

अम्बर पनघट में डुबो रही

तारा-घट ऊषा नागरी।

खग-कुल कुल-कुल सा बोल रहा,

किसलय का अञ्चल डोल रहा।

लो यह लतिका भी भर लायी

मधु मुकुल नवल रस-गागरी।

(ii) कह न देना मौन हूँ मैं,

खुद न समझूँ कौन हूँ मैं,

देखना कुछ बक न देना,

उन्हें कोई शक न देना,

हे सजीले हरे सावन

हे कि मेरे पुण्य पावन,

तुम बरस लो वे न बरसें,

अपनी बस्तियों को

नंगी होने से

शहर की आबो-हवा से बचाएँ उसे

बचाएँ डूबने से

पूरी की पूरी बस्ती को

हड़िया में

अपने चेहरे पर

सन्याल परगना की माटी का रंग

भाषा में झारखण्डीपन

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **250** शब्दों में दीजिए :

(i) 'मीरा मगन भई हरि के गुण गाय' कविता का मूल भाव समझाइए।

अथवा

मैथिलीशरण गुप्त की कविता का सौन्दर्य अप्रतिम है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'वह तोड़ती पत्थर' कविता प्रगतिवादी चेतना का प्रतिरूप है। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

दुष्यंत कुमार की कविता 'कहाँ तो तय था चिरागों हरेक घर के लिए' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

इकाई–III

(अ) निम्नलिखित अवतरण का शीर्षक बताते हुए संक्षेपण कीजिए :

"भविष्य की चिन्ता हमें कायर बना देती है, भूत का भार हमारी कमर तोड़ देता है। हममें जीवन की शक्ति इतनी कम है कि भूत और भविष्य में फैला देने से वह और भी क्षीण हो जाती है। हम व्यर्थ का भार अपने ऊपर लादकर रूढ़ियों और विश्वासों और इतिहासों के मलबे के नीचे दबे पड़े हैं, उठने का नाम ही नहीं लेते, वह सामर्थ्य ही नहीं रही। जो शक्ति, जो स्फूर्ति, मानव धर्म को पूरा करने में लगनी चाहिए थी, सहयोग में, भाईचारे, वह पुरानी आदावतों का बदला लेने और बाप-दादों का ऋण चुकाने की भेंट हो जाती है और यह जो ईश्वर और मोक्ष का चक्कर

प्रयोग कीजिए :

(i) नानी के आगे ननिहाल की बातें

(ii) आटे के साथ घुन भी पिसता है

(iii) कंगाली में आटा गीला

(iv) दूध का दूध और पानी का पानी

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों को शुद्ध करके लिखिए :

(i) सामर्थ

(ii) महात्म्य

(iii) उपरोक्त

(iv) परिक्षा

(v) पत्नि

(vi) बृज

(स) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

(i) सब लोग अपना कार्य करें।

(ii) मेरे पास केवल मात्र एक पुस्तक है।

(iii) वह सायंकाल के समय घूमने जाता है।

(iv) मेरे को एक चित्र चाहिए। 2+2

(द) निम्नलिखित शब्द युग्म में से किन्हीं **चार** का अर्थ स्पष्ट कीजिए :

(i)	आधि	व्याधि
(ii)	आलस्य	प्रमाद
(iii)	प्रार्थना	निवेदन
(iv)	कृपा	दया
(v)	संवदेना	सहानुभूति

(i) प्रभुता पाहिं काहि मद नाहिं

(ii) सच्चा ज्ञान बिना दु:खों के प्राप्त नहीं होता

(iii) जीवन भी एक प्रयोगशाला है

इकाई–IV

(अ) (i) श्रेष्ठ अनुवाद की क्या विशेषताएँ हैं ? (शब्द सीमा **50** शब्द)

अथवा

अनुवाद की प्रक्रिया के विविध चरणों को स्पष्ट कीजिए।

(ii) अनुवाद समीक्षा के उद्देश्यों की विवेचना कीजिए।

अथवा

अनुवाद के प्रकारों का वर्गीकरण बताते हुए आकार पर आधारित तथा साहित्य शैली पर आधारित वर्गीकरण का निरूपण कीजिए।

(ब) (i) निम्नलिखित पद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

Most people in underdeveloped countries get their water from streams, rivers or storage ponds. This water is likely to be polluted. The only clean water available comes from underground, called groundwater, and is accessed through wells and water pumps. One pump or well is often shared by a whole village. This means having to walk great distance to collect supplies.

Imagine life in your home with no taps for water and no toilets. This is how more than *two* billion people in the world are not able to wash their hands in clean water after going to toilet in fact they

आप जाणों हो कै राजस्थानी भाषा में 73 बोल्यां है। ऐ बोल्यां राजस्थान रै अलावा देश अर विदेश में भी बोलीजै। अं 73 बोल्यां में सूं मोटा-मोट॥ बोल्यां जादा अर बडै छेतर में बोलीजै। आओ आपां राजस्थानी भाषा री आं बोल्या अर उण रा धेतरां नै भी जाणां-गोरवां कै किसी बोली कठै-कठै बोलीजै–

मारवाड़ी-आ बोली वैदिक छेतर 'मरुधन्व' जको महाभारत बगत में 'मरुकान्तर' राज बोलीजती। ओ सारो छेतर समुन्दर रै नीचळी रेणका अर डूंगरां री बेकळा सूं ढकीप्योड़ो हो यानी रेत रो समन्दर। यानी मरुथल/मरुधस्थल/मरूधरा। राजस्थान रो आयूणलो पास्सो (पश्चिमी) 'मरुधन्व' अर 'मरुकान्तर' हो। ई छेतर री भाषा यानी मरुस्थल री भाषा। रिगवेद में भी ओ मरु छेतर ई बतायोड़ो है सो ई छेत्र री भाषा मरुभाषा/मरुवाणी अर आज री मारवाड़ी है।

इकाई–V

(अ) किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए :

(i) भारत में विमुद्रीकरण/नोटबन्दी : विविध प्रभाव

(ii) मेरा प्रिय साहित्यकार

(iii) युवा छात्रों में बढ़ता असन्तोष

(iv) विकासशील देश भारत और स्वास्थ्य सुविधाएँ

(v) पर्यावरण प्रदूषण

(ब) कुलपति, राजस्थान विश्वविद्यालय को एक पत्र लिखिए। जिसमें बी.ए. के पाठ्यक्रम को समसामयिक जीवन की समस्याओं से अधिक जोड़ने का अनुरोध हो।

अथवा

अपने छोटे भाई को बोर्ड की परीक्षा की तैयारी के सम्बन्ध में एक पत्र लिखिए।